हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, सोमवार, 2 जून, 2025

तापमान
अधिकतम 36.1 डिग्री
न्यूनतम 23.5 डिग्री

11 जागरण में मां भगवती के भजनों का किया गुणगान

12 साइकिल चलाना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक

खबर संक्षेप

पूर्व सीएम भजनलाल की पुण्यतिथि कल

हिसार। पूर्व मुख्यमंत्री जननायक बिश्नोई रत्न स्व. चौधरी भजनलाल की 14वी पुण्यतिथि पर तीन जून को जिलेभर में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान बिश्नोई सभा, हिसार के प्रधान जगदीश चंद्र कड़वासरा ने बताया कि इस कार्यक्रम में पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई मुख्य अतिथि होंगे, जो श्री बिश्नोई मंदिर, हिसार में बिश्नोई रत्न चौ. भजनलाल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 9.15 बजे रहेगा।

मैरिज पैलेस से सामान चोरी के 3 आरोपी काबू

हिसार। आजाद थाना नगर पुलिस ने आर्य नगर स्थित मैरिज पैलेस से सामान चोरी के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें जींद जिले के धमतान साहिब निवासी संदीप, जयवीर और कृष्णा शामिल है। तीनों को अदालत में पेश करके तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। आर्यनगर निवासी पवन दहिया ने उसके गोल्डन गेट पैलेस से सामान चोरी होने के बारे में शिकायत दी थी। उसने बताया कि 15-16 अप्रैल की रात में उसके मैरेज पैलेस से अज्ञात ने दो से तीन लाख के बर्तन का सेट चोरी किया है।

नशा सप्लाई का आरोपी बाइक सहित गिरफ्तार

हांसी। सीआईए स्टाफ हांसी पुलिस ने नशीले पदार्थ सप्लाई करने जा रहे एक आरोपी को मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान न्यू सुभाष नगर कालोनी निवासी विकास उर्फ गोलू के रूप में हुई है। पुलिस हरदयाल व अनिकेत को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

पुलिस ने दो महिला तस्करों को किया काबू

हिसार। हिसार पुलिस द्वारा पीआईटी एनडीपीएस एक्ट के तहत दो महिलाओं अंबेडकर बस्ती निवासी बिमला और शांति नगर निवासी बबली पर कार्रवाई कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। उक्त दोनों आरोपियों पर हाल ही में एनडीपीएस एक्ट के तहत तीन और तीन से अधिक केस दर्ज है। इनमें पुलिस द्वारा आरोपियों से वाणिज्यिक मात्रा में नशीले पदार्थों की बरामदगी की गई। ये मामले अभी न्यायालय में विचाराधीन है।

24 लाख की धोखाधड़ी करने वाला गिरफ्तार

हिसार। आजाद नगर थाना पुलिस ने डेयरी संचालक से भैंस खरीद धोखाधड़ी से 24 लाख ठगने के मामले में एक आरोपी लुधियाना के खन्ना निवासी प्रीतपाल सिंह को गिरफ्तार किया गया है। उसे अदालत में पेश करके दो दिन के रिमांड पर लिया गया है।

सुभाष बने शमशान भूमि सुधार समिति के अध्यक्ष

हिसार। शमशान भूमि सुधार समिति हिसार ने सर्वसम्मति से सुभाष सैनी को समिति का निर्विरोध अध्यक्ष चुन लिया है। निवर्तमान अध्यक्ष महावीर सैनी की अध्यक्षता में ऋषिनगर स्थित कार्यालय में आयोजित एक बैठक में समिति के सदस्यों ने लम्बे विचार विमर्श के सुभाष सैनी के नाम पर मोहर लगाई।

राजबाला प्रधान और सीमा बनी सचिव

हिसार। हरियाणा कर्मचारी महासंघ के जिला महासचिव देशराज वर्मा ने रविवार को बताया कि चुनाव सर्वसम्मति से करवाए गए, जिसमें राजबाला को प्रधान, नीलम को उपप्रधान, सीमा को सचिव, मंजू को कैशियर व प्रोमिला को प्रेस सचिव चुना गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को महासंघ जिला महासचिव देशराज वर्मा ने पद व गोपनीयता की शपथ ग्रहण करवाई।

नगर निगम ने 'हमारा प्यार हिसार' संस्था के साथ चलाया सफाई महा अभियान

शहर के साउथ बाईपास से लेकर सेक्टर 9-11 तक की गई सफाई

सफाई के साथ स्वच्छता का संदेश भी देना है अभियान का उद्देश्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

नगर निगम एवं हमारा प्यार हिसार की ओर से रविवार को डाबड़ा रोड से साउथ बाइपास से लेकर सेक्टर 9-11 मोड तक संयुक्त महा सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान संयुक्त आयुक्त डॉ. प्रीतपाल सिंह, पार्षद जगमोहन मित्तल, पार्षद डॉ. सुमन यादव, सीएसआई राजकुमार, एएसआई कपिल, एएसआई राहुल, दरोगा सुधीर सहित सफाई कर्मचारी व हमारा प्यार हिसार संस्था के सदस्य मौजूद रहे। सफाई महा अभियान की शुरूआत तोशाम रोड साउथ बाइपास से की गई। इस दौरान सड़क के दोनों ओर मिट्टी को उठाया गया। इसके साथ डिवाइडर लगती झाड़ियों व छोटी कीकर को हटाया गया। इसके साथ ही ट्री ट्रिमिंग मशीन से वृक्षों की ट्रिमिंग की गई। जेसीबी की सहायता से मिट्टी को समतल किया गया। सफाई की मशीनों से रोड की सफाई की गई। सफाई कर्मचारियों ने सड़क व उसके साथ की सफाई की गई। नगर निगम के कर्मचारियों के साथ हमारा प्यार हिसार के संस्था के सदस्यों ने भी इस सफाई महा अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस दौरान संस्था के सभी सदस्यों ने श्रमदान किया।

- डिवाइडर से लगती झाड़ियों व छोटी कीकर को हटाया

संयुक्त आयुक्त डॉ. प्रीतपाल सिंह ने बताया कि मेयर प्रवीण पोपली और निगमायुक्त नीरज के आदेशानुसार इस प्रकार के सफाई अभियान समय-समय पर चलाए जाते है। ऐसे सफाई अभियान में सामाजिक संस्था, धार्मिक संस्था और क्षेत्रवासियों का भरपूर सहयोग मिलता है। स्वच्छ अभियान का उद्देश्य सफाई के साथ-साथ स्वच्छ का संदेश भी देना है। इसके साथ-साथ लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना भी है।

हिसार। महा अभियान के तहत सफाई कार्य में लगे पार्षद, कर्मचारी व अन्य नागरिक। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

सफाई महाअभियान के दौरान हमारा प्यार हिसार संस्था के सदस्य सुशीला खरींटा, जितेंद्र बंसल, रमेश कुमार, आदेश मलिक, ईशा, एकता नेगी, मनदीप पूनिया, एसके गर्ग, विजय कादियान, राजेन्द्र गहलोत, राज वर्मा, राजन वर्मा, भाविका, दीपा, युद्धवीर सिंह, कमल भाटिया, हरीश भाटिया, ममता चंद्रा, पुष्पा, अंजलि, अंकित गर्ग और महिपाल यादव, पूर्वी यादव, विरेन्द्र सिंह, सौम्या, योगिता, याशवी मौजूद रहे।

सीएससी सेंटर में आग से सामान जलकर स्वाह

हिसार। श्यामसुख गांव के सीएससी सेंटर में लगी आग से जला पड़ा सामान।

- सेंटर संचालक ने जताई आग लगाने की आशंका, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

अग्रोहा क्षेत्र के गांव श्यामसुख कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) में आग लग गई। इसमें दुकान में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। सेंटर संचालक का कहना है कि इस आग से उसे आर्थिक नुकसान हुआ है। श्यामसुख गांव निवासी ओमप्रकाश ने बताया कि उसने गांव में ही उमेदसिंह के मकान में किराए पर एक दुकान ली हुई है, जिसमें वह सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) व बीसी (बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट) सेंटर का संचालन करते हैं। इसके साथ ही उन्होंने स्टेशनरी का सामान भी बिक्री के लिए रखा हुआ था। ओमप्रकाश के अनुसार शनिवार रात करीब 9:30 बजे वे रोज की तरह अपना कार्य समाप्त कर दुकान को अच्छे से बंद कर घर चले गए। रात करीब तीन बजे गांव के सत्यनारायण ने सूचना दी कि उनकी दुकान में आग लगी हुई है। ओमप्रकाश मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आग विकराल रूप ले चुकी थी और दुकान का सारा सामान पूरी तरह से जल चुका था। दुकानदार ने आशंका जताई कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने जानबूझकर रात के समय उनकी दुकान में आग लगाई है। आगजनी की इस घटना में उन्हें हजारों का नुकसान हुआ है, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, दस्तावेज, स्टेशनरी और अन्य जरूरी सामान शामिल है।

एसटीएफ टीम ने मुठभेड़ में बदमाश को दबोचा

- बदमाश के पैर में लगी गोली अस्पताल में करवाया भर्ती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

सदर क्षेत्र के गांव तलवंडी राणा के पास एसटीएफ टीम ने मुठभेड़ के पास एक बदमाश को काबू किया है। मुठभेड़ के दौरान घायल हुए बदमाश मनदीप को जिला के नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। बताया जा रहा है कि एसटीएफ टीम को तलवंडी राणा निवासी बदमाश मनदीप के गांव में छिपे होने की सूचना मिली।

चर्चा है कि सूचना के बाद एसटीएफ टीम उसे पकड़ने पहुंची तो बदमाश ने गोली चला दी। इस पर एसटीएफ ने जवाबी कार्रवाई की तो उसके पैर में गोली लगी और वह गिर पड़ा, जिस पर उसे दबोच लिया गया। घायल मनदीप को जिला के नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।बताया जा रहा है कुछ दिन पहले गांव के शराब ठेके पर फायरिंग करने व उनके धमकी देने के मामले में उक्त बदमाश मनदीप वांछित था। पुलिस के अनुसार मनदीप ने अपने साथियों सहित शराब ठेके पर फायरिंग करके पर्ची फेंककर धमकी दी थी कि ये शराब ठेका कोई न लें, यदि किसी ने लिया तो उसे मंथली देनी होगी। सदर पुलिस ने इस संबंध में केस दर्ज किया था। इसी मामले में पुलिस को उसकी तलाश थी और पुलिस व एसटीएफ सहित कई टीमें उसकी तलाश में थी।

हिसार। नागरिक अस्पताल में घायल बदमाश को लेकर पहुंची एसटीएफ टीम।

गांव में छिपा था

रविवार देर सायं एसटीएफ टीम को उसके गांव में छिपे होने की सूचना मिली। जब टीम उसे गिरफ्तार करने पहुंची तो यह मुठभेड़ हो गई। एसटीएफ की जवाबी कार्रवाई में मनदीप के पैर में गोली लगी और उसे काबू कर लिया गया। उसे उपचार के लिए जिला के नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

रंगोत्सव के पहले दिन उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की

- ओपी जिंदल ज्ञान केंद्र में आठ दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

आकार वेलफेयर सोसायटी के तत्वावधान में आठ दिवसीय 'रंगोत्सव 2025' का रविवार को ओपी जिंदल ज्ञान केंद्र में शुभारंभ हुआ। यह आयोजन कला, संस्कृति और सामाजिक चेतना को समर्पित है, जिसमें काफी संख्या में बच्चों, अभिभावकों और समाजसेवियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत कला परिचय सत्र से हुई, जिसमें संस्था के संस्थापक सदस्य एवं कला अध्यापक जितेंद्र गोस्वामी ने बच्चों को चित्रकारी की बारीकियां अत्यंत सहज ढंग से सिखाईं। उनकी प्रेरणा से बच्चों ने सुंदर और रचनात्मक आकृतियां बनाईं। संस्था के महासचिव एवं कार्यक्रम संयोजक संदीप कुमार ने बताया कि रंगोत्सव का उद्देश्य बच्चों और युवाओं को रचनात्मकता से जोड़ना, उन्हें कला से परिचित कराना और उनके भीतर छिपी प्रतिभा को निखारना है। इस निशुल्क समर कैंप के दौरान चित्रकला, हस्तकला, लोककला, और शिल्प निर्माण जैसे सत्रों का आयोजन किया जाएगा। इस अवधि के हर दिन अतिथि कलाकारों एवं सामाजिक प्रेरकों के संवाद सत्र आयोजित होंगे, जो प्रतिभागियों को न केवल प्रेरित करेंगे, बल्कि उन्हें समाज और पर्यावरण के प्रति उनकी जिम्मेदारियों से भी परिचित कराएंगे। रंगोत्सव के समापन अवसर पर भव्य कला प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी जिसमें सभी प्रतिभागियों की कलाकृतियां प्रदर्शित की जाएंगी और उत्कृष्ट बच्चों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि रंगोत्सव 2025 न केवल रचनात्मक प्रतिभाओं को मंच प्रदान करता है, बल्कि सामाजिक चेतना और सांस्कृतिक मूल्यों को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

हिसार। आकार वेल्फेयर सोसायटी के कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी व आयोजक।

ये रहे शामिल

इस अवसर पर संस्था संरक्षक डॉ. डीके शर्मा, मास्टर विजय, अध्यक्ष सुमित कुमार, शीतला माता ट्रस्ट के प्रधान मुकेश सैनी, राकेश कुमार एवं संस्था के सक्रिय सदस्य उषा वर्मा, उमेश नामदेव, योगेश, मोहित सैनी, निष्ठा सोनी, बंटी बेनीवाल, प्रियांशु, पारुल शर्मा, हेमंत, सपना, करिश्मा, प्रीति सैनी सहित अन्य लोगों ने अपने योगदान से आयोजन को सफल बनाया।

शिविर में दिया संस्कार, सेवा व स्वास्थ्य का संदेश

- संस्कारी युवाओं से ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण होगा : आदित्यवेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

गुरुकुल धीरणवास में सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद की ओर से आयोजित युवा चरित्र निर्माण एवं योग शिविर के तीसरे दिन राष्ट्रीय स्तर के प्रेरक वक्ताओं ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण, योग और संस्कारों की महत्ता से अवगत कराया।

सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय महासचिव एवं गुरुकुल धीरणवास के प्रधान स्वामी आदित्यवेश ने रविवार को कहा कि संस्कारी युवाओं से ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है। जब युवा अपने चरित्र, संयम और सेवा के पथ पर चलते हैं, तभी समाज और देश में स्थायी परिवर्तन आता है। शिविर के मुख्य अतिथि नेहा ज्वेलर्स के डायरेक्टर विपिन गोयल ने अकहा कि करो योग, रहो निरोग, यही जीवन का आधार बनना चाहिए। जब शरीर स्वस्थ होता है, तब ही मन और मस्तिष्क भी राष्ट्रसेवा के लिए तत्पर रहते हैं।परिषद के प्रदेश अध्यक्ष दलबीर आर्य ने कहा कि आर्य समाज युवाओं को केवल योग ही नहीं सिखाता, बल्कि उन्हें सच्चे राष्ट्रभक्त एवं सेवाव्रती बनने की दिशा में प्रेरित करता है। शिविर में प्रातः योग अभ्यास, व्याख्यान एवं समूह चर्चा जैसे विविध सत्र आयोजित किए गए।

हिसार। युवा चरित्र निर्माण एवं योग शिविर में विद्यार्थी।

तनाव मुक्त जीवन के रहस्य सिखाए

- आर्ट ऑफ लिविंग ने हैप्पीनेस प्रोग्राम का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

आर्ट ऑफ लिविंग की ओर से हैप्पीनेस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें तनाव मुक्त जीवन के रहस्य सिखाए गए।

स्टेट मीडिया कोऑर्डिनेटर नीरज गुप्ता ने बताया कि इस पूरे कार्यक्रम का संचालन संस्था के शिक्षक मंजू पूरी एवं पिंकी अग्रवाल ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को गुरुदेव श्री श्री रविशंकर द्वारा प्रतिपादित प्राणायाम और सुदर्शन क्रिया जैसी महत्वपूर्ण श्वास तकनीकों का अभ्यास कराया। मंजू पूरी ने कहा कि प्राणायाम और सुदर्शन क्रिया जैसी तकनीकें शरीर और मन को गहराई से विश्राम देती है।

हिसार। हैप्पीनेस कार्यक्रम में उपस्थित आयोजक व अन्य।

सिंगल यूज प्लास्टिक एवं कचरा मुक्त कैंपस मुहिम की शुरुआत

गुजवि की अनूठी पहल, कचरा बनेगा संसाधन

- प्लास्टिक लिफाफे बेचने व प्रयोग करने वालों पर जुर्माने के प्रावधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय इस बार विश्व पर्यावरण दिवस को नए अंदाज में मनाएगा। इस मौके पर विश्वविद्यालय कैंपस में सिंगल यूज प्लास्टिक एवं कचरा मुक्त बनाने की मुहिम का आगाज किया जाएगा।

विश्वविद्यालय में हर रोज करीब डेढ़ टन कचरा निकलता है जिसे पूरी तरह से वैज्ञानिक तरीके से प्रोसेस करके ठोस कचरा अधिनयम 2016 तथा एनजीटी के आदेशों की अनुपालना की जाएगी। कचरे को संसाधन में बदलने के कार्य में पर्यावरण संरक्षण में कार्यरत ग्रीन अर्थ संगठन कुरुक्षेत्र तकनीकी एवं कार्यन्वन में सहयोग कर रहा है।

कुलपति प्रो नरसी राम बिश्नोई ने बताया की कचरे को प्रोसेस करने के लिए कैंपस में एसटीपी के पास एक 'रिसोर्स मैनेजमेंट एवं सस्टेनबिलिटी सेंटर' की स्थापना की गई है। सेंटर को इस तरह से तैयार किया जा रहा है कि विश्वविद्यालय तथा अन्य संस्थानों के विधार्थी कचरे को संसाधन में बदलने की तकनीक सीख सके। यंहा पर गीले कचरे से उच्च गुणवत्ता की खाद बनाई जाएगी तथा सूखे कचरे को रिसाइक्लिंग यूनिट्स में भेजा जायेगा।

उन्होंने सभी से अपील की है की बतौर जिम्मेदार नागरिक हम अपने घर, दुकान, कार्यालय आदि में कचरे को अलग अलग रखें, सिंगल प्लास्टिक डिस्पोजल का प्रयोग ना करें तथा कचरे को डस्ट बिन में डालकर, यूनिवर्सिटी को कचरा मुक्त स्वच्छ कैंपस बनाने में अपना सहयोग दे।

ठोस कचरा प्रबंधन के नोडल अधिकारी एवं अस्सिटेंट प्रोफेसर डॉ. मुकेश कुमार ने बताया कि अपने कैंपस को स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए सभी के सहयोग की जरूरत है। मुहिम को कामयाब बनाने के लिए 6 जून से कैंपस में सिंगल यूज प्लास्टिक आइटम्स व प्लास्टिक लिफाफे बेचने व प्रयोग करने वालों तथा कचरा फैलाने वालों पर जुर्माने के कार्यवाही की जाएगी। कैंपस को कचरा मुक्त बनाने के लिए अब सभी घरों, दुकानों, कार्यालयों, कैंटीन, मेस, चाय स्टॉलों आदि में गलनशील गीला कचरा, प्लास्टिक आदि सूखा कचरा, डायपर आदि सेनेटरी कचरा, घरेलू मेडिकल कचरा, कांच आदि घरेलू खतरनाक कचरा तथा ई वेस्ट अलग अलग रखना होगा।

हिसार। ठोस कचरा प्रबंधन के लिए बनाया गया स्थान।

हत्या मामले में फरार 5 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

- आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा
- पांच आरोपियों को इससे पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान ढाणी चद्दर पुल निवासी जगजीत उर्फ धोलू उर्फ बच्ची के रूप में हुई है।

पुलिस प्रवक्ता के अनुसार पकड़े गए आरोपी ने 20 जनवरी की सांय करीब 8 बजे चद्दर पुल ढाणी में दुकान पर बैठे कुलदीप उर्फ दीपला की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पकड़े गए आरोपी ने कुलदीप की हत्या करने मुख्य आरोपियों के साथ मिलकर हत्या की वारदात को अंजाम दिया था। वारदात के बाद से आरोपी फरार चल रहा था और उसे पकड़ने के लिए पुलिस द्वारा आरोपी पर पांच हजार का इनाम रखा था। स्पेशल स्टाफ हांसी पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

पुलिस इस मामले में पांच आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

हांसी। हत्या मामले में फरार ईनामी बदमाश पुलिस गिरफ्त में।

दशोटन

पहले लड़के के जन्म पर दादा 'दशोटन' किया करता था जिसमें वह सारे गाँव तथा आस-पास के गाँवों के लोगों को भोज पर आमंत्रित करता था। 'दशोटन' एक प्रकार का बड़ा भोज होता है, जिसमें परिवार के मुखिया की शान-शौकत का पता चलता था। आजकल यह प्रथा लुप्त प्राय: है। सारा परिवार शिशु के लाड़-लड़ाने तथा पोषण में व्यस्त हो जाता है। परिवार में वंशवृद्धि की सब खुशियाँ मनाते हैं लेकिन 'दशोटन' अब कहीं-कहीं ही देखने को मिलता है।

लुप्त हो रही सांस्कृतिक धरोहर जन्म संस्कार

परम्पराएं

डा. रमाकान्ता

प्राचीन उपनिषदों में हिन्दू धर्म के अनुसार प्रत्येक मानव के लिए जन्म से लेकर मृत्यु तक सोलह संस्कारों का निर्वहन करना अनिवार्य बताया गया है। इनमें गर्भ में (जन्म पूर्व) तीन संस्कार गर्भधारण, पुंसवन, सीमन्तोनयन, जन्म के बाद चार संस्कार, जातकर्म निष्क्रमण,अन्नपूर्णा चूड़ामणि संस्कार हैं।

वैवाहिक संस्कारों में पिशाच विवाह, राक्षस विवाह, गंधर्व विवाह, आयुर्वेद विवाह प्राजापत्य विवाह,आर्ष विवाह, दैव विवाह एवं ब्राह्मण विवाह, सात प्रकार के विवाह माने गए हैं। सोलहवां तथाअंतिम संस्कार मृत्यु संस्कार माना गया है। संस्कार किसी भी प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत होते हैं जिसमें उस प्रदेश के समाज की परंपराएं,धार्मिक-सामाजिक मान्यताएं-आस्थाएं मूल रूप में प्रतिबिंबित होती हैं। इनका संरक्षण करने का दायित्व समाज की नई पीढ़ी का होता है। संस्कारों की एक श्रृंखला का लुप्त होना आने वाली पीढ़ी का समाज की धरोहर से वंचित होना है। वही संस्कृति दीर्घकालिक अस्तित्व में रहती है जिसकी परंपराएं जीवित हैं।

हरियाणा प्रदेश में जन्म संबंधी संस्कारों में गर्भधारण के पश्चात सर्वप्रथम सातवें मास में गर्भवती की गोद भराई की रस्म की जाती है। उस के सफल प्रसव तथा पुत्रवती होने का आशीर्वाद दिया जाता है। उसे पीहर ससुराल पक्ष के लोग उपहार देते हैं। इस अवसर पर मंगल गीत गाए जाते हैं। इस अवसर पर गाया जाने वाला लोक मंगल गीत इस प्रकार है :

पाँच पतासे पन्ना का बिडला, ले गणपत पै जाईयो जी,
पाँच पतासे लौगा का जोड़ा, ले पितरां थै जाईयो जी

शिशु जन्म के बाद सभी रीतियों को संपन्न करते समय मंगल गीत के साथ जज्चा गीत गाए जाते हैं। इन गीतों में गर्भधारणा से लेकर ओजणे, कड़सूले, दाई गीत, होलर तथा व्यंग्य-हास्य गीत गाए जाते हैं :

मनै भावैं कराले के बेर रपैये के सेर, मेरा री मन बेर नै
सुसरे आगै अरज करूँ थी, मैनें हरी-हरी दाख मँगा द्यो जी

गर्भ धारण करने के पश्चात गर्भवती की खान-पान रुचि बदल जाती है कभी उसे उल्टी की शिकायत होती है तो कभी खाने की वस्तुओं में से दुर्गन्ध आती है। उसका मन नित नई चीजे (खट्टी-मीठी) खाने को करता है। इनमें बेर, मतीरा, आम, गोला, सिंघाड़ा, सांभर फली, दाख प्रमुख है।

कड़सूले : कड़सूले का अर्थ है 'प्रसव की झूठी पीड़ा'। प्रसव से पूर्व गर्भवती को प्रसव पीड़ा का आभास होता है, इसे 'नकली दर्द' भी कहा जाता है। इस अवस्था में गर्भवती तथा घर वालों के हाथ पैर फूल जाते है तथा झटपट दाई को शीघ्र बुलाकर लाने की व्यवस्था की जाती है -

भाज-लूज के नै सासू धोरै आई, दाई नै बुला दे री
सास मेरी कड़ म्हं दर्द सै
पड़दे के ओल्हे राजा, खड़्या-खड़्या डोलै
कहो तै जच्चा दाई नै ल्यावां रै बुलाय

लोक भाषा में 'कड़सूल कड़ तथा सूल अर्थात, कड़ का अर्थ कमर एवं सूल का अर्थ दर्द। प्रसव में उठने वाली कमर की दर्द।

स्वप्न : प्रसव से पूर्व गर्भवती को कई प्रकार के सपने आते हैं। वह सपने में स्वयं को पीला (पीलिया) ओढ़े हुए देखती है। पीलिया दिखाई देना पुत्र जन्म का संकेत माना जाता है। एक गीत प्रस्तुत है:

लाल पिलंग पै पिलियो धर सोई जी

प्रसव: प्रसव पीड़ी कव तीव्रता को भाँपते हुए घर की बड़ी - बूढ़ी, दाई अन्य समझदार महिला को बुलाकर लाने का आदेश गर्भवती अपने पति को देती है। इस अवर पर गर्भवती की मानसिक तथा शारीरिक अवस्था का चित्रण जन्म संबंधी लोक गीतों में सुन्दर ढंग से मिलता है -

नीची-नीच बगड़ बुहारूँ, दर्द उठ्या सै कमर महं
म्हारे पोहर तैं भंवर जो, माए बुला द्यो जी

शिशु जन्म : शिशु जन्म की घड़ी आ जाती है। जन्म होते ही थाल बजाकर गाँव को सूचित कर दिया जाता है। प्राचीन लोक परिवेश में समाज में पुत्र-जन्म की कामना की जाती थी। इतिहास साक्षी है कि पुत्री को जन्म के समय ही मार दिया जाता था अथवा पुत्री को सम्मान प्राप्त न था। पुत्री जन्म पर परिवार में शोक मनाया जाता था। उस के जन्म पर रीतियाँ सम्पन्न नहीं होती थी। यही कारण है कि लड़का-लड़की के अनुपात में भारी अन्तर आ गया। पुत्री जन्म पर गाए जाने वाले मार्मिक गीत उस समय की समाज की संकीर्ण मानसिकता के परिचायक हैं -

जिदिन लाडो तेरा जन्म होया था
एक रंगमहल की कूण, कन्या नै जन्म लिया

आज परिस्थितियाँ बिल्कुल बदल गई हैं। आज बेटी के जन्म पर खुशियाँ मनाई जाती है, पीलिया भेजा जाता है, कुआं पूजन होता है। बिरादरी तथा मित्रों में सहभोज दिया जाता है। यह परिवर्तन यकायक नही आया। बेटियाँ परिवार में बेटों से बढ़कर स्वयं को योग्य प्रमाणित कर रही है। यह सब शिक्षा के प्रचार-प्रसार के कारण ही संभव हो पाया है। आज बेटियाँ समाज के प्रत्येक क्षेत्र में अपनी योग्यता प्रभावित कर रही हैं। अतः एक बेटी के जन्म से ही माता-पिता संतुष्ट हो जाते हैं तथा अन्य सन्तान की इच्छा ही नहीं रखते।

शिशु जन्म : वैज्ञानिक तथा जैनिक प्रक्रिया पूर्ण होने पर शिशु का जन्म हो जाता है। शिशु जन्म के पश्चात गर्भवती को 'प्रसूता' तथा लोकभाषा में 'जच्चा' कहा जाता है। शिशु-जन्म के पश्चात जच्चा-बच्चा को गर्म जल से स्नान कराया जाता है।

छुआणी : प्रसव के पश्चात जज्चा को गुड़, अजवायन, जीरा सौंफ तथा बादाम की तरल 'छुआणी' (पेय पदार्थ) गर्म-गर्म पिलाई जाती है। छुआणी प्रसव पीड़ा को दूर करती है तथा गर्भ के मल को साफ कर शरीर में स्फूर्ति का संचार करती है।

घुट्टी पिलाना : जन्म के बाद शिशु को सर्वप्रथम शहद की 'घुट्टी' पिलाई जाती है। घुट्टी परिवार की वृद्ध स्त्री, माता अथवा बुआ द्वारा पिलाई जाती है। ग्रामीण क्षेत्र में यह विश्वास किया जाता है कि शिशु घुट्टी पिलाने वाले व्यक्ति के अनुरूप गुणों वाला होता है इसलिए शिशु को घुट्टी पिलाने के लिए, ज्ञानवान, बुद्धिमान तथा गुणवान व्यक्ति का चयन किया जाता है। घुट्टी के रूप में शिशु की जीभ पर आस्थानुसार राम, ऊ अथवा राधे लिखा जाता है। वैज्ञानिक दृष्टि से शहद शिशु के पेट के मल को साफ करता है।

दुधी धुलाना : शिशु को स्तन-पान कराने से पूर्व जच्चा के स्तनों को अच्छी तरह गंगाजल, दूध और दूध से साफ तथा कीटाणु रहित किया जाता है। इस प्रक्रिया से जच्चा के स्तनों के बाद छिद्र खुल जाते है तथा स्तनों के ऊपर तथा आस-पास जमा हुआ कालापन भी साफ हो जाता है। माँ का दूध (स्तनपान) शिशु के लिए उत्तम आहार माना जाता है। माँ के दूध में सभी प्रकार के पौष्टिक तत्व होते है। दूधी धुलाने की रीत घर की बेटी अथवा बुआ द्वारा सम्पन्न कराई जाती है उसे इस के लिए शगुन दिया जाता है।

> लोक मानस में ऐसा दृढ़ विश्वास व्याप्त है कि जन्म के छटे दिन भाग्य की देवी "बेमाता" शिशु के भाग्य का लेखा-जोखा लिखती है। इस दिन गोबर की बेमाता की प्रतिमा दिवार पर मांडी जाती है। मुँह पर कौड़ियों की आँखें बनाई जाती हैं तथा मूर्ति को लाल कपड़े से ढक दिया जाता है।

नहाण बार केरे की रीत : शिशु जन्म के दूसरे अथवा तीसरे दिन 'नहाण बार' अथवा केरा घालने की रीत सम्पन्न की जाती है। जच्चा के कमरे के बाहर ओर एक ओर सातिए तथा दूसरी ओर छाबड़ी मंगल चिन्ह के रूप में गोबर द्वारा बनाए जाते हैं। ये दोनों शिशु जन्म के शुभ संकेत माने जाते हैं। इन के आगे वस्त्र (तीयल) तथा गेहूँ के दाने भी रखे जाते हैं। पड़ौस की महिलाएं 'केरे' के रूप में गेहँ के दाने अपने घरों से लाती है तथा पास रखी परात अथवा तसले में डाल देती हैं। यह भी एक प्रकार का शगुन माना जाता है। इन गेहूँ के दानों को घर की बेटी अथवा नाईन ले जाती है। इस अवसर पर मंगल गीत, पितर गीत तौर जच्चा गीत गाए जाते हैं। इस अवसर पर जच्चा के हँसी-ठिठोली करने के लिए, सीठने जैसे व्यंग्य गीत तथा हास्य गीत गाए जाते हैं।

छटी गीत इस प्रकार है :

रात छटी का आई खुशी हुई गात म्हं
पहली बधाई उसके दादा नै होवै
जिस की बेल बधाई, खुशी हुई गात क्हँ

शिशु जन्म के छटे दिन छटी मनाई जाती है। लोक मानस में ऐसा दृढ़ विश्वास व्याप्त है कि जन्म के छटे दिन भाग्य की देवी "बेमाता" शिशु के भाग्य का लेखा-जोखा लिखती है। इस दिन गोबर की बेमाता की प्रतिमा दिवार पर मांडी जाती है। मुँह पर कौड़ियों की आँखें बनाई जाती हैं तथा मूर्ति को लाल कपड़े से ढक दिया जाता है। इस दिन 'बेमाता' के स्वागत में कई प्रकार के पकवान बनाए जाते है। ऐसा विश्वास किया जाता है कि छठी के दिन सब कुछ खा लेने के बाद जच्चा सब कुछ खाना आरम्भ कर देती है जो शिशु को कोई नुकसान नहीं पहुँचाता है।

सूतक लगना एवं शुद्धिकरण : जिस परिवार में शिशु जन्म लेता है उस परिवार में सूतक लग जाता है। सूतक से अभिप्रायः है 'अशुचिता' अर्थात 'अशुद्धता'। उस घर के मन्दिर में कुछ समय के लिए ज्योत-बत्ती भी नही लगाई जाती। घर के सदस्य किसी पूजा-पाठ में भी भाग नहीं ले सकते। पानी के साधन घड़ादि भी हटा दिए जाते है। 11-12वें दिन घर में यज्ञ करवाने के बाद घर का शुद्धिकरण किया जाता है। सूतक एक दादा की सभी पुत्र संतानों के घर लग जाता है।

पीहर में भेली भेजना : शिशु जन्म के पश्चात शिशु जन्म की सूचना के रूप में जच्चा के पीहर में गुड़ की भेली भेजी जाती है। पहले समय में यह पुत्र-जन्म पर ही भेजी जाती थी। भेली ससुर अथवा जेठ लेकर जाता था। वहाँ उसे शगुन रूप में धनराशि दी जाती थी। भेली भेजना शिशु जन्म का सूचक है। कुँआ पूजन के पश्चात बहन-बेटियों को उचित नेग देकर विदा किया जाता है। जन्म की इन परम्पराओं में से अधिकतर नेग-टेहले लुप्त हो गए हैं। आज की पीढ़ी की महिलाएं इन के नाम तक नहीं जानती। इस का मूल कारण यह है कि आजकल प्रसव पुरानी परम्परा के अनुसार निपुण 'दाईयों' से न करवाकर हस्पतालों में करवाया जाता है। प्रसव बाद के नेग-टेहले वहाँ सम्पन्न नहीं किए जाते। आज आवश्यकता है कि आने वाली पीढ़ी को इन परम्पराओं से अवगत अवश्य कराया जाना चाहिए।

कविता | महेन्द्र सिंह बिलोटिया

जीवन वैतरणी

गुरु की आज्ञा मोक्ष दिखावै ध्यान हरि का धर जागा
ज्ञान, ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जाएगा

माता-पिता गुरु की सेवा करनी चाहिए चित लाकै
सेवा करकै पार हुवै या तू देख लिए मेवा खाकै
पुत्र चाहवै तो सन्त की सेवा मोह माया बिसराकै
धन चाहवै तो धर्म करा कर तीर्थों पै जा जाकै
भुखे न भोजन करवाकै,ताज शीश पर धर जागा
ज्ञान ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जागा।

विद्वानों की सेवा कर जब मां सरस्वती का वासा हो
गऊ के घी में हवन करा कर कट्ठे नहीं निराशा हो
पर त्रिया तै बचकै रहिये ज वंश बेल की आशा हो
अतिथि की सेवा करिये ज सफल तेरा घरवासा हो
आदम देह नै रासा हो ,जब घड़ा पाप का भर जागा
ज्ञान ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जागा।

चुगली चाटी करणिया मानस गुगा और बहरा हो
नाविक बिन नैया डूबै यो ज्ञान का दरिया गहरा हो
वो नर मुक्ति पावैगा जो श्री गुरु चरण मैं रहरा हो
नुगरे का कुण करै भरोसा जो सब तरिया तै बहरा हो
जो सत्संग न लहरा हो,वो अपने आप समर जागा
ज्ञान ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जागा।

जो वेद शास्त्र रटले मानस वो वेदाचारी रहा करै
बिना भुख चाहें मेवा खाले वाह भी खारी रहा करै
दादा मांगेराम की सेवा कर वो आज्ञाकारी रहा करै
गुरु अमरसिंह बिलोटे आला वो अटल अटारी रहा करै
जडै गरुड़ सवारी रहा करै,तू महेंद्र सिंह डिगर जागा
ज्ञान ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जागा।

कविता | संदीप शर्मा

साँझ निगोड़ी

ढळ-ढळ जावै नित ,साँझ निगोड़ी !
सांस चलैं सैं पर , जिंदगी तो थोड़ी !

आधी तो सोकै खोई ,रोकै भी खोई गई
लोभ और त्रिया मैं ,माया मैं मोही गई
बणना भी चाहुँ था मैं, सेठ किरोड़ी !

विषयों का पान कर् या, त भी बिरान कर् या
राम नै दी जिंदगी का, मनैं अपमान कर् या
चढ़-चढ़ चाल्या मैं तो, ख्यालां की घोड़ी !

पढ़ अनजाण होया, खुद का ना ज्ञान होया
जन्म मनुष का हीरा, पशुआं समान होया
टूटी नहीं रै मेरी ,घमंड की ज्योड़ी !

मोती भी सीप होज्या ,जलता जै दीप होज्या
करले भलाई जै तूं , पार संदीप होज्या
ना तै सूखी जा सै तेरी, सासां की जोहड़ी !

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

दरकते रिश्ते | पहले एक-दूसरे के यहां आने-जाने से रिश्ते मजबूत होते थे और उनमें भावनात्मक लगाव पैदा होता था, अब पहले वाली बात नहीं रही

अब रिश्तेदारियों में नहीं , पर्यटन स्थलों पर बीत रहीं छुट्टियां

परिवेश

राज कुमार नरवाल

विद्यालयों में गर्मी की छुट्टियां शुरू हो गई हैं। पर्यटन स्थलों पर भारी भीड़ उमड़ने वाली है। सब होटल फुल हो जाएंगे और सड़कों पर जाम की स्थिति बनी रहेगी। देशभर से लोग अपने परिवार के साथ वहां पहुंचेंगे तो अव्यवस्था होना लाजमी है। प्रशासन को भीड़ को कंट्रोल करने और उनके लिए व्यवस्था बनाने में भारी मशक्कत करनी पड़ेगी। पर्यटन स्थलों पर साफ सफाई करना भी स्थानीय प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती होगी।

पहले गर्मी की छुट्टियों में लोग अपने बच्चों को पर्यटन स्थलों पर न ले जाकर नाना-नानी, बुआ या मौसी के पास ले जाते थे। ऐसा करने से रिश्ते मजबूत होते थे। रिश्तेदारों के बीच भावनात्मक लगाव पैदा होता था। अब लोग अपने बच्चों को रिश्तेदारियों में नहीं ले जाते। बचपन घरों में कैद हो गया है। एक दूसरे की देखा देखी या अपनी शान ओ शौकत दिखाने के लिए लोग पर्यटन स्थलों पर जाना पसंद करते हैं। शहरी बच्चे छुट्टियों में गांव चले जाते थे। इस दौरान उन्हें ग्राम्य जीवन के बारे में जानने का मौका मिलता था। खेतों में उगाई जाने वाली सब्जियों, हरा चारा और अन्य फसलों की जानकारी हो जाती थी। खेतों में पेड़ पौधों और नदियों, नहरों, रजवाहों और खेतों की सिंचाई प्रक्रिया जानने का मौका मिलता था। खेती बाड़ी, पशुपालन के अलावा वहां के खान-पान और रहन-सहन की पूरी जानकारी मिल जाती थी।

दूध दुहना और दूध बिलौना सीखते थे। वहां के रीति-रिवाज और संस्कृति को जानने का मौका मिलता था। गांव के जोहड़ में बच्चे तैरना सीख जाते थे। रात को सोते समय नाना-नानी, मौसा-मौसी अथवा बुआ-फूफा बच्चों को शिक्षाप्रद कहानियां सुनाते थे, ये शिक्षाएं बच्चों के जीवन में काम आती थी। पिछले कुछ दशकों में रिश्तेदारों के बीच आपसी मेल-जोल में कमी और संबंधों में खटास आई है। इसका खामियाजा बच्चे भुगत रहे हैं। लोगों ने रिश्तेदारियों में जाना कम कर दिया है।

लोग अपने बच्चों को तो रिश्तेदारी में भेजना बिल्कुल भी पसंद नहीं करते। जिस वजह से अगली पीढ़ी के बीच भावनात्मक लगाव नहीं बन पाता और रिश्ते केवल दिखावे के रह गए हैं। ऐसे में ब्याह-शादी के आयोजनों में रिश्तेदारों का शामिल होना भी केवल खानापूर्ति ही रह गया है। पहले रिश्तेदार के सुख-दुख में लोग दिल से शामिल होते थे। कोई बीमार हो जाता अथवा किसी की मौत हो जाती तो रिश्तेदारों को काफी दुख पहुंचता था। अब शोक और बीमारी में रिश्तेदारी में जाना केवल मजबूरी भर रह गया है। इसकी वजह यही है कि बच्चों को हम रिश्तेदारियों में आने-जाने का मौका ही नहीं देते। जिस वजह से अगली पीढ़ियों के बीच मेलजोल नहीं बन पाता, वरना रिश्तेदारियां पीढ़ी दर पीढ़ी चलती थी।

गर्मी की छुट्टियों में हुनर सीखते थे बच्चे

गर्मी की छुट्टियों में लड़कियां घर के काम-काज करना सीखती थी ताकि ससुराल में उन्हें खाना बनाने और घर के दूसरे काम करने में दिक्कत न आए। माताएं लड़कियों को तरह-तरह के अचार बनाना और कपड़े सीलना सिखाती थी। इसी तरह पिता अपने बेटों को छुट्टियों में खेतों में ले जाते थे। उनसे खेत के काम करवाते थे। पशुओं को पानी पिलाने, उनको नहलाने और चराने का काम सिखाया जाता था। जिन लोगों के पास पशुपालन व खेती बाड़ी का काम नहीं होता था, उनके बच्चे रिश्तेदारियों में जाते थे, तो वहां पर वे ये काम सीख लेते थे।

अपरिचित जगहों पर होने लगी हैं शादियां

पहले रिश्तेदारों के जरिए ही युवक-युवतियों के ब्याह सगाई होते थे। बच्चे रिश्तेदारियों में आते जाते थे, तो उनके बारे में रिश्तेदारों को पूरी जानकारी होती थी। उनकी पढ़ाई लिखाई, उनके स्वभाव और उनके हुनर की पूरी जानकारी होती थी। लेकिन अब रिश्तेदारों तक को यह नहीं पता होता कि उक्त रिश्तेदार का बेटा या बेटी में क्या हुनर है और उनका स्वभाव कैसा है। पहले बताया जाता था कि हमारे फलां रिश्तेदार की बेटी या बेटा ऐसे हैं और तुम्हारे लिए यह रिश्ता बिल्कुल अनुकूल है। अब बिना परिचय वाली जगह से रिश्ते बनते हैं और जल्दी ही वे टूट भी जाते हैं।

इन बातों का रखें ख्याल

संबंध : रिश्तों में आपसी संबंध मधुर और मजबूत होने चाहिए। इसके लिए एक-दूसरे का सम्मान, विश्वास और सहयोग आवश्यक है। साथ ही, समय-समय पर मिल-जुल कर बातचीत करते रहना भी ज़रूरी है।

सम्मान और विश्वास: एक-दूसरे के विचारों, भावनाओं और रुचियों का सम्मान करना चाहिए। विश्वास रिश्ते की नींव है, इसलिए एक-दूसरे पर भरोसा करना चाहिए।

सहयोग: मुसीबत के समय एक-दूसरे का साथ देना चाहिए। यह सहयोग रिश्ते को मजबूत बनाता है।

क्षमाशील होना: एक-दूसरे की गलतियों को माफ करना चाहिए। इससे रिश्ते में प्यार और विश्वास बना रहता है।

संचार : नियमित रूप से एक-दूसरे से बात करते रहना चाहिए। यह रिश्तों को मजबूत बनाता है।

फिल्मों की कहानियां देती हैं सकारात्मक संदेश : संजय सैनी

कलाकार | ओ.पी. पाल

हरियाणवी कलाकारों ने प्रादेशिक संस्कृति, सभ्यता और परंपराओं की पहचान देश-विदेश तक पहुंचाई है, जिसमें हरियाणवी फिल्मों, लोक संस्कृति से जुड़ी रागनी, सांग तथा लोक संगीत के क्षेत्र की अलग विधाओं में कलाकारों का हुनर अपनी अलग ही पहचान रखता है। ऐसे ही कलाकार हैं संजय संजू सैनी, जिन्होंने एक छोटे से गांव से बॉलीवुड तक अपने अभिनय का सफर तय किया है। उन्होंने कई फिल्मों और वेबसीरीज की कहानियां लिखीं और उन पर बनी फिल्मों का निर्देशन के साथ-साथ अभिनय भी किया है। उन्होंने अपने लेखन, फिल्म अभिनय और निर्देशन के सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे पहलुओं का जिक्र किया, जिसमें कला की हर विधा समाजिक सरोकार के मुद्दों में सकारात्मक संदेशों का समावेश करने में सक्षम है।

हरियाणा संस्कृति संवर्धन में जुटे लेखक एवं निर्देशक संजय संजू सैनी का जन्म 10 अक्टूबर 1990 को जींद जिले के गांव बरौली में एक किसान परिवार में कंवर सिंह और इंदू देवी के घर में हुआ। इनके पिता हरियाणा सरकार के शिक्षा विभाग में अध्यापक पद पर कार्यरत रहे, जबकि माता गृहिणी हैं। इनके पिता नौकरी करने के अलावा खेती-बाड़ी में भी हाथ बंटाते थे। परिवार में इनके चाचा पंजाबी भाषा के अध्यापक हैं, जो सुरजीत बिंदरखिया की कैसेट लाते थे। शायद उसी के कारण उन्हें बचपन में कला व संगीत में अभिरुचि होने लगी। उनके गांव की ही एक टोली रागनी गाने और घढ़वे-बैंजो बजाती थी, तो वह भी चोरी छिपे उनके साथ रहता था। बकौल संजय सैनी, पहली बार उन्हें लिखने का एहसास उस समय हुआ था, जब उनके दोस्त के उपर प्रस्ताव लिखना था। संजू ने मॉय बेस्ट फ्रेंड को अलग-अलग तरीक़े से चार बार लिख दिया था। इसमें एक बार हास्य, फिर दुख, इसके बाद गंभीर और अंत में गुस्सैल तरीके से लिखा, तो उनके अध्यापक ने उनकी पीठ थपथपाई थी। दरअसल यह लिखने का कारण था कि सबके दोस्त एक जैसे कैसे हो सकते है? उन्होंने बताया कि एक बार वह अपने दोस्त के साथ गलती से 'चंडीगढ में पंजाब कला भवन सेक्टर 16 गया, जहां उन्होंने मंचन देखा और फिर वहीं का होकर रह गया। नकी पहली कृति एक कविता थी, जो कि एक न्यूज़ चैनल की वेबसाइट पर प्रकाशित हुई थी। दरअसल वह कॉलेज के दिनों में ही फिल्म की कहानी लिखने लगे थे। उन्होंने एमएससी की पढ़ाई के दौरान रॉकी मेंटल की कहानी लिखी और सौभाग्यवश इसे चयनित कर लिया गया। इसके बाद मन में आया कि उन्हें लेखन कार्य को अपना करियर बनाना चाहिए। हाल ही में उनके कुछ प्रोजेक्ट बड़े प्रोडक्शन हाउस से आने वाले हैं। सैनी ने बताया कि उनके फ़िल्मों का सफ़र कुछ ऐसा रहा कि फ़िल्म की कहानी लिखने और अपनी लिखी फ़िल्म थिएटर में देखने का मौका मिल गया था, लेकिन तब भी इधर काम करने का इरादा कम ही था। लेकिन उनकी लिखी हुई पहली दोनों कहानियों पर फ़िल्म बनी, तो उनका खुद पर आत्मविश्वास बढ़ने लगा और उन्हें लगा कि जो वह करने आया था वह उसी राह पर है। फिल्म निर्देशक संजय संजू सैनी का कहना है कि उन्हें इस बात का मलाल रहेगा कि वह डाक्टर नहीं बन पाया। मन में यह ऐसी पीड़ा बस गई कि नौकरी करना उनकी किस्मत में नहीं था, क्योंकि उनका लेखन की तरफ ज्यादा रूझान बढ़ता गया। वह असमंजस में रहे कि फिल्म लाइन का कोई भरोसा नहीं, फ़िल्म बन भी गई तो चलेगी या नहीं, इसका डर अलग रहा। इन सभी सवालों का जवाब उन्हें उनके स्वर्गीय दादा हवा सिंह ने देते हुए दिया कि बेटा खेती कौनसा सिक्योर है? लेकिन हमने भी तो जीवन निकाल लिया और उतार चढ़ाव आना जिंदगी का हिस्सा है। इसलिए जो कर रहे हो उस पर ध्यान रखते हुए शिद्दत से काम करो। उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

यहां से मिली मंजिल

लेखक एवं निर्देशक संजय सैनी ने बताया कि उन्होंने कबड्डी खेली है और राज्य स्तर के टूर्नामेंट तक खेला। उन्होंने कालेज की पढ़ाई के दौरान ही खेलों पर फिल्म 'रॉकी मेंटल' की कहानी लिखी और उसे फिल्म के लिए चुना गया। उन्होंने वेबसीरीज फिल्म अखाड़ा (एक और दो), स्कैम, पिंकी भाभी के किरदार की पटकथा लिखी और अभिनय भी किया। अखाड़ा के लिए उन्हें हिफ्फा से सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का अवार्ड भी मिल चुका है। पहलवानों और उनके संघर्ष पर ही आधारित फिल्म 'अखाड़ा' वेबसीरीज को लेकर लेखक संजय सैनी काफी चर्चा में है। इसके निर्माण के लिए उन्होंने काफी समय तक हरियाणा के गांवों और छोटे कस्बों में शोध कार्य करके यह वेब सिरीज लिखी है। वर्तमान में वह बॉलीवुड में दो हिंदी फ़िल्म, एक वेब सीरीज़ में बतौर लेखक और निर्देशक की भूमिका में कार्यरत हैं।

खबर संक्षेप

गाड़ी में तोड़फोड़ कर युवक से की मारपीट

फतेहाबाद। गांव मेहूवाला के समीप कुछ लोगों ने एक गाड़ी में तोड़फोड़ करते हुए युवक की पिटाई कर दी। बेहोश युवक को हमलावर रेलवे ट्रेक के पास छोडक़र चले गए। बाद में घायल को उपचार के लिए अग्रोहा मेडिकल कॉलेज भर्ती करवाया गया है। इस मामले में भट्टूकलां पुलिस ने बनमंदौरी सरपंच सहित 3 लोगों को नामजद करते हुए केस दर्ज किया है।

रिटायर्ड कर्मचारी संगठन की मासिक बैठक 3 को

फतेहाबाद। रिटायर्ड कर्मचारी संगठन फतेहाबाद की मासिक बैठक 3 जून मंगलवार को प्रातः 10 बजे पुराना बस स्टैण्ड, जाट धर्मशाला के पास स्थित रेस्ट हाऊस में होगी। इस मीटिंग में रिटायर्ड कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लेकर चर्चा की जाएगी। इसके अलावा रिटायर्ड कर्मचारी संगठन की मांगों को लेकर राज्य कार्यकारिणी की सरकार से हुई बातचीत बारे भी सदस्यों को जानकारी दी जाएगी।

दो भाइयों पर तेजधार हथियार से हमला

फतेहाबाद। भट्टू क्षेत्र के गांव बनमंदौरी में मामूली कहासुनी के चलते कुछ युवकों ने दो भाइयों पर तेजधार हथियार से हमला कर घायल कर दिया। घायल को उपचार के लिए अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया है। पुलिस को दी शिकायत में गांव बनमंदौरी निवासी आनंद कुमार ने कहा कि गत दिवस वह अपने भाई विकास के साथ खेत से वापस अपने घर आ रहा था। जैसे ही वह गांव बनमंदौरी खेल ग्राऊंड के पास पहुंचे तो सडक़ किनारे एक कार खड़ी थी। कार में से प्रवीन, मनेस और रवि भट्टूकलां अपने 2-3 साथियों के साथ उतरे और उस पर हमला कर दिया।

एनिमल रेस्क्यू ट्रस्ट ने शुरू की निःशुल्क सेवा

फतेहाबाद। बेसहारा, जख्मी व बीमार कुत्तों व अन्य जीवों के ईलाज व संरक्षण के लिए काम कर रही पाव एण्ड प्रिंट एनिमल रेस्क्यू ट्रस्ट ने जानवरों की जान बचाने के लिए ऑक्सीजन मशीन की स्थापना की है। ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं गौपुत्र सेना के जिलाध्यक्ष डॉ. प्रवीण सोनी व उपाध्यक्ष विकास नायक ने बताया कि एनिमल रेस्क्यू टीम व समाज के दानी सज्जनों के सहयोग से फतेहाबाद जिले में एक मात्र पशुओं की ऑक्सीजन मशीन को खरीदा गया।

जिला स्तरीय कुश्ती अखाड़ा प्रतियोगिता आज

फतेहाबाद। जिला स्तरीय कुश्ती अखाड़ा प्रतियोगिता, जिला कुमार व जिला केसरी दंगल लड़के व लड़कियां का आयोजन 2 जून को भोडिया खेडा खेल स्टेडियम फतेहाबाद में करवाया जाएगा। इसके अलावा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 10 से 13 जून तक पंचकूला में आयोजित होंगी। उपायुक्त मनदीप कौर ने बताया कि जिला स्तरीय कुश्ती अखाड़ा के विजेता पहलवान राज्य स्तरीय अखाड़ा प्रतियोगिता में प्रतिभागिता करेंगे। खेल विभाग की योजना के अंतर्गत इस प्रतियोगिता में राज्य में विभागीय प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण केन्द्रों, निजी अखाड़ों, निजी कुश्ती प्रशिक्षण केन्द्रों तथा कर्मचारी इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते है।

महिला शक्ति ने बच्चो के साथ मनाई 300वी जयंती

साधारण परिवार में जन्म लेकर मराठा साम्राज्य की महारानी बनीं अहिल्याबाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आदमपुर

आदमपुर। कार्यक्रम में पेंटिंग बनाने वाले विद्यार्थी अतिथियों के साथ।

भारत विकास परिषद शाखा मंडी आदमपुर की महिला शक्ति ने अहिल्याबाई होल्कर की 300वी जयंती मनाई। शाखा अध्यक्ष एडवोकेट अनिल गोयल ने बताया कि भारत विकास परिषद के सूत्र संस्कार के प्रकल्प अहिल्या बाई होल्कर की 300वी जयंती व तंबाकू निषेध दिवस को महिला शक्ति ने आदमपुर के हनुमान मन्दिर में भादू कालोनी के बच्चों के साथ मनाया।

एडवोकेट अनिल गोयल ने बताया कि प्रत्येक वर्ष 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य लोगों को तंबाकू से होने वाले खतरे से जागरूक करना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने साल 1987 में तंबाकू दिवस मनाने की शुरुआत की थी।

शाखा गतिविधि संयोजक महिला सहभागिता श्रीमती रानी बंसल और परिषद सदस्य श्रीमति बबीता बंसल ने बच्चों को बताया कि अहिल्याबाई होल्कर जी एक साधारण परिवार में जन्म लेकर कैसे एक मराठा साम्राज्य की महारानी बनी। बच्चों को कहानी के रूप में बताया कि कैसे उन्होंने न्याय के लिए गाय के बछडे के मारने पर अपने ही बेटे को मारने करने के लिए रथ पर सवार हो गई थी। रितु मिनोचा और अनु गोयल ने तंबाकू निषेध दिवस पर बताया कि युवाओं व स्कूली बच्चों में भी तंबाकू व गुटखा की लत लग रही है। यह बीडी, सिगरेट, गुटका जैसे कई रूपों में उन तक पहुंच रहा है। बच्चों को बताया गया कि हमारे शरीर पर इनका कितना दुष्प्रभाव होता है इनके सेवन से कितनी बीमारियां शरीर में हो जाती है। एक स्वस्थ इंसान ही अच्छे समाज का निर्माण कर सकता है। तंबाकू निषेध दिवस पर बच्चों ने बहुत हीअच्छी-अच्छी पेंटिंग बनाई। इस कार्यक्रम मे नीतू गोयल, नीलम गोयल, सुमन बेनीवाल, अनु गोयल, पूजा गोयल, बबीता बंसल, ज्योति ग्रोवर आदि महिला सदस्य सम्मिलित हुई।

कंवारी गांव में सरपंच पद के लिए होने वाले उप चुनाव में पांच ने किया नामांकन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

- पंचों व पंचायत समिति के लिए आए एक एक ही आवेदन

कंवारी गांव में 15 जून को सरपंच पद के लिए होने वाले उप चुनाव में कुल पांच प्रत्याशियों ने नामांकन दर्ज करवाएं हैं। पंचायत समिति के वार्ड 28 से एक, सिसाय काली रावण व ढाणा कलां में पंच पद के लिए एक एक, सुल्तानपुर में तीन पंचों के पद के एक आवेदन आया है। ऐसे में वह निर्विरोध चुने जाएंगे। सोमवार को आवेदन पत्रों की छंटनी के बाद इनकी घोषणा की जाएगी।

सिसाय कालीरावण गांव में वार्ड नंबर 13 के पंच पद के लिए सीमा ने नामांकन किया। सुलतानपुर गांव में पंच के लिए वार्ड नंबर 6 से मोनिका, वार्ड 15 से विकास व वार्ड 17 से सुमन ने आवेदन किया। ढाणा कलां गांव में वार्ड नंबर 12 पंच पद के लिए बजरंग कुमार ने नामांकन भरा है। पंचायत समिति के वार्ड नंबर 28 से सिकंदाबाई ने ही नामांकन भरा था। अन्य कोई आवेदन नहीं आने के कारण इन्हें सर्वसम्मति से बनने की उम्मीद है।

उधर कंवारी गांव से सत्यवान, अमित दूहन, रणधीर, चंद्रपाल व करतार सिंह ने नामांकन दर्ज करवाया है। इसमें मृतक सरपंच संजय दूहन के परिवार से एक व उनके प्रतिद्वंदी कर्णपाल के परिवार से भी एक व्यक्ति ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। बता दें कि 3 मार्च 2024 को कंवारी गांव के सरपंच नरसिंह उर्फ संजय दूहन की गांव में ही गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस कारण कंवारी गांव के सरपंच का पद खाली हो गया था। पंचायत समिति के वार्ड नंबर 28 की सदस्य गीता देवी ने सरकारी नौकरी लगने के कारण इस्तीफा दे दिया था। इस कारण यह पद भी खाली हो गया था। चुनाव आयोग की गाइडलाइन के अनुसार इन पदों को भरने के लिए उपचुनाव करवाए जा रहे हैं। इसमें 31 मई को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। उम्मीदवार 2 जून को दोपहर 3 बजे तक नामांकन वापस ले सकेंगे। इसके बाद चुनाव चिह्नों का आवंटन किया जाएगा। मतदान 15 जून को सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक होगा और इसके तुरंत बाद मतगणना कराई जाएगी। खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी डॉ. अशोक मेहता का कहना है कि कंवारी गांव में सरपंच पद के लिए पांच प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं।

बहला फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में तीन काबू

सिरसा। कालांवाली थाना पुलिस ने नाबालिग को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कालांवाली थाना प्रभारी रामफल ने बताया कि पीड़िता के पिता की शिकायत पर आरोपियों द्वारा उसकी नाबालिग बेटी को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला फुसलाकर ले जाने व पोक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान तीन आरोपियों हरप्रीत सिंह उर्फ किला व मनप्रीत सिंह उर्फ काकू को अदालत में पेश किया जो आदेशानुसार बंद जेल करवाया गया।

छबील लगाकर दी शहीद जीवन सिंह को श्रद्धांजलि

ओढां। गांव रोहण निवासी जीवन सिंह की याद में समस्त ग्रामीणों व आसपास के गांवों के लोगों द्वारा रविवार को ठंडे मीठे पानी की छबील लगाकर शहीद को श्रद्धांजलि दी गई। गौरक्षा दल के स्टेट प्रधान हरप्रीत सिंह रोहण ने बताया कि उमस भरी गर्मी के मौसम में राहगिर को ठंडा पानी पीने को मिल जाए तो इससे बड़ी सेवा व पुण्य नहीं है। तपती दोपहरी में ठंडा पानी अमृत के समान है। हरप्रीत सिंह ने बताया कि गांव रोहण निवासी जीवन सिंह 24 अक्तूबर 2024 को दुश्मनों से लोहा लेते हुए शहीद हो गए थे। उन्होंने बताया कि उसके परिवार में तीन बेटियां हैं और परिवार बिल्कुल गरीब है, लेकिन अभी तक सरकार व प्रशासन की ओर से कोई सहयोग नहीं दिया गया है। उन्होंनेकहा कि सरकार शहीदों के सम्मान की बात तो करती है, लेकिन सम्मान के नाम पर उसके परिजनों को कुछ नहीं मिलता।

जागरण में कलाकारों ने मां भगवती के भजनों का किया गुणगान

- श्री नवदुर्गा मित्र मंडल के तत्वावधान में वार्ड नंबर दो वेद मंदिर के पास मां भगवती का 12वां विशाल जागरण का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बरवाला

बरवाला। श्री नवदुर्गा मित्र मंडल के पदाधिकारी नगरपालिका चेयरमेन रमेश बैटरीवाला को सम्मानित करते हुए।

श्री नवदुर्गा मित्र मंडल के तत्वावधान में वार्ड नंबर दो वेद मंदिर के पास मां भगवती का 12वां विशाल जागरण का आयोजन किया गया। पूर्व प्रधान मनोज अनेजा और एडवोकेट सचिन मेहता ने बताया कि इस जागरण में ज्योत प्रज्ज्वलित नगरपालिका चेयरमेन रमेश बैटरीवाला ने की। गणेश पूजन साधु मंहत ने किया तथा माता की चुन्नी समाजसेवी आयुष शर्मा ने चढ़ाई। कंजक पूजन समाजसेवी नवीन नरूला और माता की आरती पार्षद दिनेश मेहता ने करवाई तथा मंच संचालन पार्षद राजा मेहता ने किया। जागरण में बाहर से आए भजन कलाकारों फतेहाबाद से आई भजन कलाकार परविंदर पलक और हिसार से आई सोनम मल्होत्रा तथा बरवाला से बाल कलाकार चेतन भूटानी और हिसार से रिंकू खुराना ने अपनी अपनी मधुर वाणी से मां भगवती के भजनों का गुणगान किया। कैथल से आए खुशी भोला ने तारा रानी की कथा सुनाई। श्री नवदुर्गा मित्र मंडल के पदाधिकारियों द्वारा मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान करके सम्मानित किया गया। इससे पूर्व इस जागरण में ज्योत ज्वाला जी से लाई गई। इस अवसर पर मास्टर मनोहर लाल रहेजा, मदन चावला, कृष्ण पाबडा, प्रवीण मिड्ढा, अनु मदान, नरेंद्र चावला, सुनील अनेजा, विकास मिड्ढा, मुकेश हंदुजा, सतीश काठपाल, ओमप्रकाश मेहंदीरता, पंकज चोपड़ा, ललित सरदाना, विकास सेतिया व संजय परुथी समेत हजारों की तादाद में श्रद्धालुगण मौजूद रहे।

रोटरी क्लब ने सरकारी स्कूल को आरओ और वाटर कूलर किया भेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। स्कूल को आरओ सहित किया वाटर कूलर भेंट करते रोटरी क्लब के पदाधिकारी।

रोटरी क्लब हिसार ने पटेल नगर स्थित सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बच्चों को स्वच्छ एवं शीतल पेय के लिए एक वाटर कूलर विद फिल्टर स्कूल मैनेजमेंट को भेंट किया। इस अवसर पर रोटरी क्लब हिसार के प्रधान मोहित गुप्ता ने स्कूल स्टाफ व बच्चों अवगत करवाते हुए कहा कि इससे पूर्व भी क्लब द्वारा स्कूलों के आग्रह पर विद्यार्थियों को गर्म जर्सी, टोपी और स्टेशनरी वितरित की जाती है। उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी यदि स्कूल को किसी भी प्रकार की सामग्री की आवश्यकता होगी तो रोटरी क्लब उसे प्राथमिकता के आधार पर पूरा करेगा। इस कार्यक्रम के प्रोजेक्ट चेयरमैन शशि लोहिया व पंकज गर्ग रहे। इस अवसर पर स्कूल के प्रिंसिपल अजय कुमार, अंजना, रीना, प्रिया, मोनिका, पूनम मलिक, सुनीता रानी, दीपा कुमारी, सुनीता रानी, विनीता, चंद्रेश, अनुराधा, गीता चहल, अनिता रानी, शिल्पी अरोड़ा, पूजा चहल, प्रवीण, कपिला रानी, सविता, सुमन बाला, अलका, पूनम महता आदि मौजूद रहे।

ज्येष्ठाभिषेक उत्सव की तैयारियां जारी

- 81 कलशों से होगा भगवान तिरुपति का महाभिषेक
- भगवान तिरुपति का दूध, दही, घी, शहद व गंगाजल से होगा महाभिषेक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। तिरुपति धाम में भगवान वेंकटेश जी का अभिषेक व पूजा-अर्चना करते अर्चक।

दक्षिण भारतीय शैली में निर्मित श्री तिरुपति बालाजी धाम में 11 जून के ज्येष्ठाभिषेक उत्सव एवं भगवान श्री तिरुपति महाभिषेक की तैयारियां पूरे उत्साह के साथ चल रही हैं। पूरे-विधान व मंत्रोच्चारण के साथ दूध, दही, घी, शहद व गंगाजल आदि से भगवान तिरुपति का महाभिषेक किया जाएगा। इस आलौकिक महाभिषेक के दर्शनों के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु तिरुपति धाम पहुंचेंगे। तिरुपति धाम में आयोजित होने वाले ज्येष्ठाभिषेक की तैयारियों की समीक्षा की गई। इसके साथ ही विधि विधान से भगवान वेंकटेश जी का अभिषेक करके पूजा व आराधना की गई। अर्चकों ने विधानस्वरूप मंत्रोच्चारण के साथ भगवान वेंकटेश जी के विग्रह को पालकी में विराजमान किया। रथ में स्थापित पालकी को श्रद्धालुओं ने रस्सों से खींचकर सवारी शोभा यात्रा निकाली। इस दौरान पूरे धाम की परिक्रमा की गई और धाम जय श्रीमन्ननारायण, जय तिरुपति बालाजी और जय भगवान वेंकटेश के उदघोष से गुंजायमान हो उठा। सवारी शोभा यात्रा के उपरांत सभी साधकों में सात्विक गोष्ठी प्रसाद का वितरण किया गया। उल्लेखनीय है कि ज्येष्ठाभिषेक उत्सव के लिए बाकायदा यजमान बनाए जा रहे हैं। सभी पुरुष यजमान धोती-कुर्ता व माताएं साड़ी धारण करके महाभिषेक के दौरान पूजा में हिस्सा लेंगी।

विद्यार्थियों ने पिकनिक दिवस का लिया आनंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उकलाना मंडी

आरडीएम सरस्वती के विधालय में ग्रीष्मकालीन अवकाश की पूर्व संध्या पर कक्षा-नर्सरी से दूसरी तक के विद्यार्थियों ने पिकनिक दिवस का आनंद लिया। पिकनिक दिवस के इस अवसर पर बच्चे अपने घरों से तरह-तरह के व्यंजन बनवा कर लाए और पिकनिक डे पर उसका आनंद उठाया।बच्चों ने स्कूल में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां की जैसे रंग भरना, क्राफ्ट, नृत्य, योगा, बाधा भाग दौड़, ब्रशिंग क्रियाकलाप, संवेदी चाल आदि। सीबीएससी के आदेश अनुसार बच्चों को कम से कम मीठे का सेवन करने के लिए प्रेरित किया तथा झूलों पर जमकर मस्ती की। कक्षा दूसरी में टी-शर्ट पहले कौन पहनता है? जैसे प्रतियोगिता की गई जिसमें विशा और विपांशु विजेता बने। बच्चों ने इस मनभावन पिकनिक दिवस का खूब आनंद लिया और जमकर मस्ती की विद्यार्थियों के साथ उनकी कक्षा अध्यापिका भी मौजूद रही। विद्यार्थियों ने अपने अध्यापकों के मार्गदर्शन में ग्रीष्मकालीन अवकाश की पूर्व संध्या को यादगार बना दिया। स्कूल प्रबंधक डॉ. के. शर्मा व प्रधानाचार्य डॉ. शालू एस. कटारिया ने बच्चों की गतिविधियों की प्रशंसा की।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर विशेष जागरूकता व्याख्यान आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आदमपुर

आदमपुर। जागरूकता व्याख्यान में विचार रखते मुख्य अतिथि।

राजकीय बहुतकनीकी मंडी आदमपुर की एनएसएस इकाई की ओर से विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं स्टाफ को तंबाकू के दुष्प्रभावों से अवगत कराना और नशामुक्त समाज की दिशा में प्रेरित करना रहा।

इस अवसर पर स्थानीय उपमंडल नागरिक अस्पताल से डॉ. अनुराधा ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। उन्होंने तंबाकू सेवन से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं जैसे कैंसर, हृदय रोग एवं श्वास संबंधित बीमारियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में तंबाकू निषेध सेल के नोडल अधिकारी बिजेंद्र सिंह चंदेलिया, प्राध्यापक सोमबीर, टेक्निकल ऑफिसर दलीप सिंह तथा स्टाफ नर्स सुदेश कुमारी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने मिलकर छात्रों को तंबाकू से दूर रहने की शपथ दिलाई और अपने-अपने अनुभवों के माध्यम से नशे के विरुद्ध प्रेरक संदेश दिए।

जिला पुस्तकालय को शहर से बाहर शिफ्ट किए जाने का विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

शहर के पुराने बस स्टैंड के पास स्थित खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय में कई सालों से चल रहे जिला पुस्तकालय को शहर से दूर शिफ्ट करने का विरोध तेज होता जा रहा है। इस मामले में रविवार को पटवार भवन में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा सार्वजनिक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें जिला पुस्तकालय को शहर से 3 किलोमीटर दूर नए बस स्टैण्ड पर शिफ्ट करने का विरोध किया गया। बैठक में सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों द्वारा इस मामले में विस्तार से चर्चा के बाद लाइब्रेरी बचाओ कमेटी का गठन किया गया। इस कमेटी में 5 संयोजक बनाए गए जिनमें पार्षद मोहन लाल नारंग, साहित्यकार डॉ.लोक सेतिया, जिंदगी संस्था के अध्यक्ष हरदीप सिंह, अध्यापक संघ के जिला प्रधान राजपाल मित्ताथल, एडवोकेट सुशील बिश्नोई शामिल हैं।

दायित्व ग्रहण एवं परिवार मिलन समारोह ब्राह्मण धर्मशाला में किया आयोजित

भाविप गायत्री शाखा की ओर से किए जा रहे सहयोग और समर्पण के कार्य: सैनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बरवाला

बरवाला। दायित्व ग्रहण एवं परिवार मिलन समारोह के मंच पर उपस्थित मुख्य अतिथि अशोक सैनी

समाजसेवी संस्था भारत विकास परिषद गायत्री शाखा बरवाला की ओर से दायित्व ग्रहण एवं परिवार मिलन समारोह का आयोजन टोहाना मार्ग पर स्थित ब्राह्मण धर्मशाला में किया गया। यह समारोह भारतीय संस्कृति, संगठन की सेवा भावना और पारिवारिक सौहार्द का एक सुंदर उदाहरण रहा। भाजपा जिलाध्यक्ष हांसी अशोक सैनी ने इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए कहा कि भारत विकास परिषद द्वारा समाज सेवा, संस्कार, सहयोग और समर्पण के जो कार्य किए जा रहे हैं, वे अनुकरणीय हैं।

ये रहे मौजूद

इस समारोह की पूरी रूपरेखा गौरी शंकर सिंगला, संजय गोयल, साधुराम गर्ग, विनोद उर्फ़ सोनू वर्मा द्वारा इस तरह तैयार की गई कि गायत्री शाखा बरवाला के सभी सदस्य पूरे उत्साह एवं समर्पण के साथ पूरे समय उपस्थित रहे और समारोह को सफल बनाने में सक्रिय योगदान दिया। इस अवसर पर भारत विकास परिषद गायत्री शाखा के सभी सदस्यगण और बरवाला शहर के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ऐसे कार्यक्रमों से समाज में पारिवारिक एकता और संस्कृति को सुदृढ़ करने की प्रेरणा मिलती है। प्रांतीय उपाध्यक्ष कैलाश शर्मा ने इस समारोह की अध्यक्षता की और नए पदाधिकारियों को शपथ दिलवाते हुए कहा कि यह दायित्व सिर्फ पद नहीं, बल्कि एक सामाजिक उत्तरदायित्व है। सभी नव-निर्वाचित दायित्वधारियों को समाजहित में निष्कलंक सेवा करनी चाहिए।

खबर संक्षेप

अतीत को हावी न होने दें वर्तमान में जीना सीखें

हिसार। ओशो ध्यान उपवन में आयोजित किए गए ध्यान सत्र में काफी संख्या में साधकों ने हिस्सा लिया। जीवन एक उत्सव पर आधारित इस ध्यान सत्र में साधकों के साथ आनंदमय व उल्लासमय जीवन जीने के उपाय साझा किए गए। इसके साथ ही ध्यान विधियों का महत्व समझाते हुए उनका अभ्यास भी करवाया गया। इस अवसर पर मां सांची ने सभी साधकों को सतगुरु ओशो की देशनाओं से रूबरू करवाते हुए ध्यान साधना से परिचय करवाया। ध्यान सत्र के उपरांत साधकों को 5 से 8 जून तक चलने वाले दो शिविरों के संदर्भ में विस्तृत जानकारी भी प्रदान की गई।

तपस्या को देखने उमड़े श्रद्धालु

हिसार। अपने इष्ट के प्रति सच्ची श्रद्धा व आस्था रखने वाला भक्त हर बाधा पार कर जाता है और संकटों का निवारण भी अनायास हो जाता है। आस्था व भक्ति की पराकाष्ठा महाभारतकालीन बीड़ बबरान धाम में सहज ही देखी जा सकती है। महंत महाराज विनोद शर्मा 27 मई से अपनी हथेली पर श्याम बाबा की जोत जागृत किए हुए हैं। यह उनकी इष्ट के प्रति निष्ठा का प्रतिफल है कि वे जनकल्याण के निमित ऐसी कड़ी साधना सहजता से कर पा रहे हैं। इसलिए हथेली पर जागृत ज्योत के दर्शनों के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु बीड़ बबरान धाम पहुंच रहे हैं। यह अनुष्ठान 6 जून तक अनवरत जारी रहेगा।

ब्रह्मनाद आंतरिक चेतना का जागरण : आचार्य

हिसार। समर्थगुरू सिद्धार्थ फाउंडेशन के तत्वाधान में समर्थगुरू संघ ने कौशिक नगर स्थित साधना केंद्र में आज संडे ध्यान का कार्यक्रम आयोजित किया। आज के सेशन में आचार्य बसंत ने ब्रह्मनाद ध्यान करवाया। आचार्य ने ब्रह्मनाद ध्यान करवाते हुए कहा कि ब्रह्मनाद एक आंतरिक चेतना का जागरण है और यह बहुत ही गहरा और आध्यात्मिक विषय है, जो योग और ध्यान की उस अवस्था से जुड़ा है जहां साधक अपने भीतर के दिव्य स्वर (नाद) को सुनता है और आत्मबोध की दिशा में आगे बढ़ता है।

नशे के खिलाफ बच्चों ने लगाई दौड़

हिसार। नेहरू युवा केन्द्र के तत्वावधान में शहीद भगत सिंह युवा संगठन के पूर्व प्रधान रणधीर सिंह बैनीवाल के नेतृत्व में सीनियर सैकेंडरी स्कूल शाहपुर के खिलाड़ी बच्चों ने नशे के विरूद्ध दौड़ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रणधीर बैनीवाल ने कहा कि सरकार द्वारा चलाए जा रहे नशे के विरूद्ध साइक्लॉथान-2 का समर्थन करते हुए इन खिलाड़ी बच्चों ने लोगों से हर तरह के नशे से दूर रहने का आहवान किया।

विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में एचएयू में रैली का आयोजन

साइकिल चलाना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक : प्रो. कम्बोज

कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज एवं विधायक रणधीर पनिहार ने साइकिल रैली को झंडी दिखाकर किया रवाना

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। साईकिल रैली में प्रतिभागियों के साथ कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज।जीवंत और उत्पादक अनुसंधान वातावरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही अनुसंधान समिति प्रो. बीआर कम्बोज। फोटो: हरिभूमि

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और भारतीय खेल प्राधिकरण (साईं) द्वारा विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। गिरी सेंटर में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज एवं नलवा के विधायक रणधीर पनिहार ने शिरकत की।

साइकिल रैली में विभिन्न महाविद्यालयों एवं साईं के विधार्थियों ने बढ़-चढक़र भाग लिया। कुलपति प्रो. कम्बोज एवं नलवा से विधायक रणधीर पनिहार ने साइकिल रैली को संयुक्त रूप से झंडी दिखाकर रवाना किया। कुलपति प्रो. कम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि साइकिल चलाना न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है बल्कि यह पर्यावरण के संरक्षण में भी सहायक है। यह एक सरल, सुलभ, स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल परिवहन का साधन है। हमें प्रत्येक दिन साइकिल चलाकर स्वस्थ जीवन जीना चाहिए। इससे तनाव, चिंता और डिप्रेशन में राहत मिलती है। इससे मोटापा घटता है और वजन नियंत्रित रहता है। साइकिल चलाने से पैरों की ताकत और फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है । साईकिल चलाने से ईंधन की बचत होती है तथा यातायात के दौरान जाम की समस्या से राहत मिलती है। उन्होंने कहा कि साइकिल सिर्फ एक वाहन नहीं बल्कि यह आंदोलन बन चुका है। हमें अपने जीवन शैली में इसे अपनाकर स्वच्छ दुनिया बाने का संकल्प लेना है। उन्होंने कर्मचारियों से आह्वान करते हुए कहा कि वे कार्यालय में आने व आसपास जाने के लिए साइकिल को प्राथमिकता दें।

नागरिकों को साइकिल का प्रयोग करना चाहिए

विधायक रणधीर पनिहार ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी नागरिकों को साइकिल का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। यह एक बेहतर एक्सरसाइज है जो हृदय, रक्त वाहिकाओं और फेफड़ों को स्वस्थ रखने में मदद करती है। शरीर की मांसपेशियों को स्वस्थ और मजबूत बनाती है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने तीन जून को इस दिन के तौर पर मनाए जाने की घोषणा की थी और आधिकारिक तौर पर पहली बार विश्व साइकिल दिवस की शुरुआत 3 जून 2018 को हुई थी। विश्व साइकिल दिवस का उद्देश्य लोगों को साइकिल चलाने के प्रति प्रेरित करना है ताकि मनुष्य का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य ठीक रहे। साईकिल रैली गिरी सेंटर से शुरू होकर कैंपस स्कूल, सिल्वर जुबली चौक, ठंडी सडक़, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय चौक, विश्वविद्यालय का गेट नं. 4 से वापिस हरसेक, टिशू कल्चर लैब, दीन दयाल उपाध्याय ऱ्ओगेनिक फार्म, गैस प्लांट, कृषि महाविद्यालय चौक से होती हुई गिरी सेंटर में सम्पन्न हुई।

हिसार। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज बैठक को संबोधित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

हकृवि में राज्य स्तरीय बैठक में रखे विचार

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बीआर कम्बोज ने कहा है कि अनुसंधान कार्यक्रम समिति एक जीवंत और उत्पादक अनुसंधान वातावरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह शोध क्षेत्रों को प्राथमिकता देने, शोध गतिविधियों का मार्गदर्शन करने और शोध के नतीजों का मूल्यांकन करने में भी निर्णायक सिद्ध हो रही है। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज रविवार को विश्वविद्यालय में आयोजित 50वीं अनुसंधान कार्यक्रम समिति (आरपीसी) की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करने के साथ-साथ सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. आरएस सोलंकी, पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ. प्रेम सिंह, बागवानी विश्वविद्यालय के निदेशक (स्पेशल) डॉ. अर्जुन सिंह, बागवानी विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. रणबीर सिंह, हरियाणा किसान कल्याण प्राधिकरण के सीईओ आरएस चौहान तथा आईंआईडब्ल्यूबीआर से डॉ. ओपी अहलावत उपस्थित रहे। कुलपति ने कहा कि समिति शोध उत्कृष्टता को बढ़ावा देने, शोध उपलब्धियां को मान्यता देने तथा विश्वविद्यालय के भीतर उच्च स्तरीय शोध सुविधाएं व उत्कृष्ट वातावरण विकसित करने में भी मदद करती है।

44 किस्में विकसित की

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि साढ़े चार वर्षों के इस कार्यकाल में विश्वविद्यालय ने 16 फसलों की 44 किस्में विकसित की हैं, जिनमें गेहूं की चार, मक्का की आठ, दलहन की सात, तिलहन की तीन, चारा फसलों की 15, औषधीय फसलों की तीन तथा बाजरा, धान, गन्ना और करेला की एक-एक किस्में शामिल हैं।

एक राष्ट्र-एक चुनाव का समर्थन किया

- वक्ताओं ने कहा इस अभियान के लाभ ही लाभ

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। एक राष्ट्र-एक चुनाव अभियान के सदस्य अनिल शर्मा का स्वागत करते व राष्ट्रपति के नाम पत्र देते डाडम खानक क्रेशर संगठन के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

एक राष्ट्र-एक चुनाव के मुद्दे को लेकर ग्राम पंचायत खानक के डाडम खानक क्रेशर संगठन के कार्यालय में बैठक हुई। इसमें उपस्थित सदस्यों ने इस अभियान पर विस्तृत चर्चा करते हुए तथा इसका पूर्ण रुप से समर्थन करते हुए एकमत से कहा कि इससे देश व समाज को लाभ ही लाभ है। बैठक में अतिथि के रुप में एक राष्ट्र-एक चुनाव अभियान के सदस्य अनिल शर्मा ने भाग लिया। अध्यक्षता संगठन के प्रधान भीष्म मेहता ने की। रविवर को हुई बैठक में कहा गया कि इससे सार्वजनिक धन की बचत होगी। प्रशासनिक व्यवस्था और सुरक्षा बलों पर तनाव कम होगा। सरकारी नीतियों का समय पर कार्यान्वयन होगा। विकास गतिविधियों पर प्रशासनिक ध्यान केंद्रित होगा।

चुनाव प्रचार के लिए ज्यादा समय मिलेगा। चुनाव की आर्थिक लागत अधिक है, इसके अलावा अन्य वित्तीय लागतें भी हैं। संवेदनशील क्षेत्रों से इन बलों को हटाने और देश में जगह-जगह बार-बार तैनाती के कारण होने वाली थकान तथा बीमारियों के संदर्भ में राष्ट्र को एक बड़ी अदृश्य लागत का भुगतान करना पड़ता है।

विवि ने मेधावियों को सम्मानित किया

- ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विवि ने बढ़ाया हौसला

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय और गरिमा फाउंडेशन के सौजन्य से सुर्खाब मैरिज पैलेस, सिरसा में एक भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में इस वर्ष 12वीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. पुनीत गोयल और प्रो. चांसलर डॉ. पूनम गोयल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मेधावी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य कि कामना की। कार्यक्रम के दौरान सिरसा और आसपास के क्षेत्रों से लगभग 575 विद्यार्थियो ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि तथा विश्वविद्यालय के गणमान्य व्यक्तियों द्वारा मेधावी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह दिए गए। इसके अलावा कार्यक्रम में विद्यार्थियों का बहुमूल्य मार्गदर्शन भी किया गया कि वे अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार अपने करियर की दिशा तय कर सके। इस समारोह में चिमन भारतीय शिक्षाविद (कवि, लेखक, एंकर, कैलीग्राफर) ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर अपने जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। उन्होंने सफलता प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक दृष्टिकोण के महत्व पर जोर दिया। इसी के साथ उन्होंने बताया कि किसी भी देश के उज्जवल भविष्य और राष्ट्र के विकास के लिए विद्यार्थियों का हमेशा से ही योगदान रहा है।

हिसार। मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते ओएसजीयू के अधिकारी।

शिक्षा से ही मिलेगा पद

विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. मंजू नेहरा ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे शिक्षा प्राप्त कर अच्छे और बड़े पदो पर कार्यरत हो सकते है। उन्होंने कई सफल विद्यार्थियों के उदाहरण भी दिए जोकि भारत सरकार के विभिन्न विभागों तथा कार्पोरेट जगत में अच्छे पदों पर कार्यरत है। उन्होंने शिक्षा के साथ खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रम का हिस्सा बनने के लिए भी प्रेरित किया।

श्याम महोत्सव में सातवें दिन किया जागरण

- कन्हैया मित्तल सहित अन्य कलाकारों ने किया बाबा का गुणगान
- लेने आजा बाबा रिंगस के उस मोड़ पर ...भजन पर जमकर नाचे श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

हांसी। श्याम जागरण भजन प्रस्तुत करते कन्हैया मित्तल व उपस्थित श्रद्धालुओं की भीड़।

श्री श्याम मंदिर हांसी के 53वें श्याम महोत्सव के सातवें दिन शनिवार को पीसीएसडी स्कूल के प्रांगण में श्याम बाबा के विशाल जागरण का आयोजन किया गया। जागरण में चंडीगढ़ से आए कन्हैया मित्तल, कलकत्ता से सौरभ शर्मा, जयपुर से आयुष सोमानी व फतेहाबाद से परविंदर पलक ने बाबा का गुणगान कर भक्तों को भाव विभोर कर दिया। हालांकि शनिवार दोपहर बाद हुई बरसात के ग्राउंड में पानी भर जाने की वजह से जागरण रात 11 बजे शुरू कर सुबह साढ़े आठ बजे तक जारी रहा। जिसमें कन्हैया मित्तल व अन्य गायकों ने भारी संख्या में उपस्थित श्याम भक्तों को पुरी रात नाचने पर कर दिया। कन्हैया मित्तल द्वारा गाए गए लेने आज बाबा रिंग्स के उस मोड़ तथा ओ सांवरे मुझे जरूरत पर जमकर नचाया। श्याम बाबा के जागरण में सुशील भडाना ने मुख्यातिथि के रूप शिरकत की जबकि महोत्सव की अध्यक्षता विधायक विनोद भ्याना ने की, ज्योत प्रज्वलन राकेश बंसल व जितेंद्र जिंदल द्वारा की गई।

सभी रिकॉर्ड तोड़े

श्री श्याम मित्र मंडल, श्री श्याम भवन ट्रस्ट एवं श्री श्याम मंदिर ट्रस्ट द्वारा पीसीएसडी स्कूल के ग्राउंड में आयोजित श्याम जागरण में भक्तों का जनसैलाब उमड़ा। दिन में हुई बरसात के बाद उमड़े श्याम श्रद्धालुओं के जनसैलाब ने भीड़ के पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। महोत्सव के दौरान बाबा का इत्र श्रृंगार, गुड़ चना श्रृंगार, मेवा व चॉकलेट श्रृंगार सहित दिल्ली, बैंगलोर, मद्रास, कोलकाता व थाईलैंड से मंगवाए गए फूलों से भव्य श्रृंगार किया गया। वहीं श्याम महोत्सव के दौरान पुर शहर में पंजाब के कारीगरों द्वारा विशेष लाईट सज्जा की गई थी। इस अवसर पर प्रधान जगदीश राए मित्तल, विनय जैन,भागवत स्वरूप सिंगल, महेन्द्र गर्ग, गौरव जैन, लछमी कांत गर्ग, पप्पू खरडिया, मोहित मित्तल, सुनील मित्तल, अनिल गोयल, राघव गोयल उपस्थित रहे।

रैली निकालकर जागरूक किया

- आर्यनगर गांव में जीव सुरक्षा व पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

आर्यनगर गांव में एक प्रेरणादायक और मार्मिक जीव सुरक्षा व पर्यावरण बचाओ रैली का आयोजन किया गया। इसने पूरे गांव को एकजुट कर पर्यावरण संरक्षण और जीव रक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। इस रैली की अगुवाई गांव की होनहार बेटी सिमरन ने की, जिन्होंने अपनी प्रेरणा के स्रोत, गांव के प्रथम पशु प्रेमी डा विक्रम वर्मा को इस नेक कार्य का आधार बताया। सिमरन ने कहा कि डा. विक्रम वर्मा की प्रेरणा से मैंने पर्यावरण और जीवों की रक्षा का संकल्प लिया है। हम सभी को मिलकर इस दिशा में कदम उठाने होंगे। रैली में गांव के प्रबुद्धजनों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। भाजपा नेता हनुमान वर्मा ने इस अवसर पर कहा कि जीव सुरक्षा के लिए पर्यावरण का संरक्षण अति आवश्यक है। उन्होंने सभी से अपील की कि प्रत्येक जन्मदिन और पुण्यतिथि पर कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाएं। यह हमारी भावी पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ा उपहार होगा। उनके इस संदेश ने उपस्थित लोगों में पर्यावरण के प्रति एक नई जागृति पैदा की। डा. विक्रम वर्मा ने रैली में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पशु-पक्षियों के लिए मीठा और पूरी जैसे खाद्य पदार्थ न डालें।

हिसार। आर्यनगर गांव में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीण। फोटो: हरिभूमि

नेपाल के उप प्रधानमंत्री से मिली वीना

- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के एक कार्यक्रम में शिरकत की।
- उपप्रधानमंत्री प्रकाश मान सिंह ने की समाजसेविका की प्रशंसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। नेपाल के प्रधानमंत्री व अन्य के साथ समाजसेविका वीना कुमारी।

समाजसेविका एवं वर्मा न्यूज एजेंसी के निदेशक वीना कुमारी ने काठमांडू में आयोजित महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के एक कार्यक्रम में शिरकत की। वहां पर वे नेपाल के उपप्रधानमंत्री प्रकाश मान सिंह से मिली। इस दौरान वीना ने नेपाल उपप्रधानमंत्री को अपने पुनीत एवं समाजसेवी कार्यों के बारे में भी जानकारी दी। वीना ने बताया कि उनकी महिलाओं और बच्चियों के पुनरुत्थान व समाजसेवी कार्यों में रुचि है। इसके चलते उन्होंने घर से बेघर हो चुकी, भटकी हुई महिलाओं, बच्चियों के पुनर्वास की दिशा में काफी कार्य किया है। वे ऐसे लोगों को समाज व जीवन की मुख्य धारा में लाने में उनकी मदद कर रही हैं। वीना के इस पुनीत तथा समाजसेवी भाव को देखकर नेपाल के उपप्रधानमंत्री प्रकाश मान सिंह ने प्रशंसा की और ऐसे कार्यों में और अधिक बढ़चढ़ कर भाग लेने के लिए प्रोत्सहित किया।

मेयर प्रवीण पोपली ने जागरण में पहुंच लिया बाबा का आशीर्वाद

सेक्टर-33 में बालाजी के भजनों पर झूमे श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

श्री बालाजी का जागरण 1375-ई ब्लॉक सेक्टर-33 में आयोजित किया गया। इस जागरण में भजन गायकों ने अपनी मधुर आवाज से श्री बाला जी की महिमा का गुणगान किया। सेक्टर-33 के संस्थापक सदस्य निशांत गर्ग ने बताया कि जागरण में मुख्य अतिथि के तौर पर मेयर प्रवीण पोपली पहुंचे जिन्होंने जागरण में भजनों का आंनद लिया और बाबा की आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर पार्षद संजय डालमिया भी विशेष तौर उपस्थित रहे। जागरण में गायकों ने सुंदर भजनों से जागरण में उपस्थित श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस अवसर पर प्रवीण प्रोपली ने कहा कि जहां पर भी श्रीराम की महिमा का गुणगान होता है वहां श्री हनुमान जी अवश्य पहुंचते हैं। कलयुग में हनुमान जी की महिमा बहुत अधिक है और जिस प्रकार से उन्होंने प्रभु श्री राम के संकटों का हरण किया था उसी प्रकार से वे अपने भक्तों पर आने वाले संकटों को पल भर में दूर कर देते हैं। उन्होंने जागरण के आयोजन के लिए आयोजन समिति की सराहना की। इस अवसर पर निशांत गर्ग के अलावा ऑर्ट ऑफ लिविंग से भारती, रामबीर पंडित, दिव्यांशु, सैक्टर-33 रमेश गिल, पवन, विनोद सचिव द कैंटर एसोसिएशन, सन्नी कैशियर बाबा जी रोड कैरियर, ढांडा मौजूद थे।

हिसार। मेयर प्रवीण पोपली का स्वागत करते हुए निशांत गर्ग व सैक्टर के गणमान्य व्यक्ति। फोटो: हरिभूमि

मेयर के सामने समस्याएं भी रखी

मेयर प्रवीण प्रोपली निशांत गर्ग के सेक्टर-33 स्थित कार्यालय भी पहुंचे। जहां पर सेक्टर के लोगों ने मेयर के समक्ष सेक्टर की पार्क, बिजली, पानी, सीवरेज व सफाई आदि की समस्याओं को भी रखा। इसके साथ ही निशांत गर्ग ने शहर में ट्रांसपोर्ट नगर स्थापित करने तथा ट्रांसपोर्टर्स की अन्य समस्याओं के समाधान की मांग की जिस पर उन्होंने सभी समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। आर्ट ऑफ लिविंग की भारती ने शहर की सफाई व्यवस्था में सुधार की मांग की जिस पर उन्होंने त्वरित व गंभीरता से कार्य करवाए जाने का विश्वास लिया।